अपठित गद्यांश के हल सहित उदाहरण

निम्नलिखित गद्यांशों के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

1. युवा शक्ति किसी भी देश का प्राण और भविष्य होती है। जिस देश की युवा शक्ति भटक जाती है, उस देश को अवनति के गर्त में गिरने से कोई नहीं बचा सकता। दुर्भाग्यवश, आज भारत की अधिकांश युवा शक्ति दिशाहीन है। अपराधियों की सूची में युवाओं की तादाद अधिक है। लूट-खसोट, डाकेजनी, चोरी, बलात्कार, हत्याकांड आदि में अधिकतर युवा वर्ग लिप्त पाया जाता है। यहाँ का अशिक्षित युवा वर्ग तो दिशाहीन है ही, शिक्षित युवा वर्ग भी दिशाहीन है। वह बी०ए०, एम०ए० कर बेरोज़गारों की लंबी कतार में जा खड़ा होता है। उसे समझ में नहीं आता कि वह क्या करे। दूसरी ओर, उच्चस्तरीय जीवन-शैली उसे आकृष्ट करती है। उसे भी मोबाइल, मोटरकार, बंगला आदि की इच्छा होती है। ऐसी कर्महीन इच्छाएँ उसे अपराधों की ओर ढकेल देती हैं। शिक्षा को रोज़गार से जोड़कर और पाठ्यक्रम में नैतिक शिक्षा अनिवार्य कर इस दिशाहीनता को काफ़ी हद तक कम किया जा सकता है।

1. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक चुनिए।

   (क) देश का भविष्य : युवा वर्ग
   (ख) देश का आधार : बुजुर्ग
   (ग) देश की खुशी : बच्चे
   (घ) इनमें से कोई नहीं

   उत्तर (क)

2. किसी भी देश की युवा-शक्ति के भटकने पर क्या होता है?

   (क) देश प्रगति के पथ पर आगे बढ़ने लगता है
   (ख) देश में युवकों को अधिक सुविधाएँ मिल जाती हैं
   (ग) देश अवनति की गर्त में गिर जाता है
   (घ) देश में युवकों को आरक्षण प्रदान किया जाता है

   उत्तर (ग)

3. भारत के लिए दुर्भाग्य की बात क्या है?

(क) युवकों का जागृत होना

(ख) युवा शक्ति का दिशाहीन होना

(ग) बच्चों की पढ़ाई पर अधिक ध्यान न देना

(घ) बच्चों को खेल-कूद के लिए रोकना — उत्तर (ख)

4. युवा वर्ग कैसी घटनाओं में सम्मिलित पाया जाता है?

(क) लूट-खसोट, हत्याकांड

(ख) चोरी, डाकेजनी

(ग) बलात्कार

(घ) सभी सही हैं — उत्तर (घ)

5. युवाओं की दिशाहीनता को कैसे कम किया जा सकता है?

(क) पाठ्यक्रम से नैतिक शिक्षा हटाकर

(ख) कुशल अध्यापकों की भर्ती करके

(ग) शिक्षा को रोज़गार से जोड़कर और नैतिक शिक्षा अनिवार्य करके

(घ) शिक्षा की बजाय खेल-कूद को अधिक बढ़ावा देकर — उत्तर (ग)